सोमवार
11 मार्च 2024

पृष्ठ 4

अमरूद खाने के बाद इन 5 चीजों का सेवन खतरनाक

पृष्ठ 5

रोहित शेट्टी के शो से वापसी कर रही हैं सनाया ईरानी ?

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 44
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

अपने को संकट में डाल कर कार्य संपन्न करने वालों की विजय होती है, कायरों की नहीं।
— जवाहरलाल नेहरू

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सुप्रीम कोर्ट की एसबीआई को कड़ी फटकार

कल तक जानकारी नहीं दी तो अवमानना की कार्यवाही

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। आखिरकार केंद्र की मोदी सरकार के चुनावी चंदे (इलेक्टोरल बांड) का भांडा फूटना तय हो ही गया। सुप्रीम कोर्ट द्वारा एसबीआई को अब हर हाल में कल तक निर्वाचन आयोग को इलेक्टोरल बांड से जुड़ी सभी जानकारियां मुहैया कराने और निर्वाचन आयोग को इस जानकारी को 15 मार्च तक सार्वजनिक करने के जो आदेश आज दिए गए हैं उसके बाद अब एसबीआई या सरकार के पास इसे छुपाने का कोई जरिया शेष नहीं बचा है।

उल्लेखनीय है कि विगत 15 फरवरी को जब सुप्रीम कोर्ट द्वारा सरकार की इलेक्टोरल बांड की व्यवस्था को असंवैधानिक ठहराते हुए उसे रद्द कर दिया गया था और इलेक्टोरल बांड कैश करने पर भी रोक लगा दी गई थी उसी समय सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को 6 मार्च तक इलेक्टोरल बांड की सारी जानकारी निर्वाचन आयोग को देने के निर्देश भी दिए गए थे। लेकिन एसबीआई बजाय जानकारी देने के 5 मार्च को एक

15 मार्च को सामने आ जाएगा इलेक्टोरल बांड का पूरा सच

अपील लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया कि उसे इसके लिए 30 जून तक का समय दिया जाए। एसबीआई की इस अपील के खिलाफ ए डी आर ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर एसबीआई के खिलाफ कोर्ट की अवमानना का आरोप लगाते हुए कार्यवाही करने की याचिका दायर कर दी गई।

इस याचिका पर आज चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ द्वारा सुनवाई की गई। सरकार और एसबीआई की ओर से पैरवी करने वाले हरीश साल्वे की सभी दलीलों को खारिज करते हुए अदालत ने उनसे पूछा कि हमने आपको 25-26 दिन का समय दिया था इसमें आपने क्या कुछ किया है कोर्ट ने कहा कि अभी हम आपके खिलाफ कोर्ट की अवमानना की कार्रवाई नहीं कर रहे हैं लेकिन कल शाम 5 बजे तक अगर एसबीआई द्वारा निर्वाचन आयोग को इलेक्टोरल बांड की जो जानकारी मांगी गई है अगर नहीं दी जाती है तो हमें आपके खिलाफ कोर्ट की अवमानना की कार्यवाही करने पर विवश होना पड़ेगा।

कोर्ट ने इसके साथ ही साफ किया कि हम आपको पर्याप्त समय दे चुके हैं

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

धामी कैबिनेट की बैठकः 10 फैसले लिए गए

प्राथमिक शिक्षक भर्ती को बीएड की जगह डीएलएड जरूरी

विशेष संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आज सचिवालय में हुई कैबिनेट बैठक में शहरी विकास, उच्च शिक्षा और पर्यटन विभाग से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। आज की कैबिनेट बैठक में प्राथमिक स्कूलों में शिक्षक भर्ती के लिए बीएड की जगह अब डी एल एड को अनिवार्य कर दिया गया है तथा उच्च शिक्षा में पीएचडी करने वाले सदस्यों में 100 बच्चों को पांच हजार रूपये महीने की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

सचिवालय में आज हुई कैबिनेट बैठक में 10 अहम फैसले लिए गए हैं जिसमें अटल आयुष्मान योजना के तहत सरकार द्वारा राज्य के 100 डायलासिस सेंटरों को अब तक 50 फीसदी सप्लाई राज्य सरकार द्वारा दी जाती है लेकिन इसे अब बढ़ाकर 100 फीसदी कर दिया गया है। कौशल विकास में अब 630 करोड़

सौ शोधार्थियों को 5 हजार महीना छात्रवृत्ति, डायलासिस सेंटरों को 100 फीसदी आपूर्ति

के प्रोजेक्ट में डॉलर एक्सचेंज की सुविधा प्रदान करने को सरकार ने अपनी मंजूरी दे दी है। उच्च शिक्षा विभाग में पीएचडी करने वाले 100 छात्रों को अब सरकार द्वारा हर माह 5000 रूपये की छात्रवृत्ति दी जाएगी तथा प्राथमिक शिक्षक भर्ती के लिए बीएड की जगह डीएलएड को अनिवार्य कर दिया गया है। वहीं पर्यटन विभाग द्वारा होटल मैनेजमेंट को लेकर नियमावली को भी सरकार ने अपनी मंजूरी दे दी है। इसके अलावा आज की बैठक में शहरी विकास विभाग से जुड़े एक फैसले में गढ़ी नेगी (काशीपुर) को नगर पंचायत का दर्जा देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी गई है। आज की बैठक में कुल 10 प्रस्तावों को सरकार ने मंजूरी दी है जिसमें हेली दर्शन कार्यक्रम कैलाश ओम पर्वत से शुरू करने तथा योजना को पांच दिन चार रात के लिए 6 माह चलाने का फैसला भी शामिल है।

ऑस्कर 2024: बेस्ट एक्टर बने सिलियन मर्फी तो बेस्ट एक्ट्रेस बनी एम्मा स्टोन

नई दिल्ली। क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म ओपेनहाइमर ने इस साल 7 ऑस्कर जीतकर इतिहास रच दिया है। इस मशहूर निर्देशक ने न केवल सर्वश्रेष्ठ निर्देशक की कैटेगरी में ऑस्कर 2024 जीता है, बल्कि उनकी फिल्म की स्टार कास्ट और क्रू ने भी ऑस्कर जीता। ओपेनहाइमर में लीड रोल से सभी का दिल जीतने वाले सिलैन मर्फी ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता। वहीं, रॉबर्ट

डाउनी जूनियर ने अपने करियर का पहला ऑस्कर 2024 अवॉर्ड जीता है। एम्मा स्टोन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला और ओपेनहाइमर ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार भी जीता। इसके साथ ही ओपेनहाइमर ने 13 कैटेगरी में नॉमिनेशन के बाद 7 ऑस्कर अवॉर्ड जीते। एम्मा स्टोन स्टारर पुअर थिंग्स ने कैटेगरी में नॉमिनेशन के बाद 3 ऑस्कर अवॉर्ड जीते। पुअर थिंग्स ने 3 कैटेगरी में अवॉर्ड जीते। बेस्ट कॉस्ट्यूम डिजाइन, प्रोडक्शन डिजाइन और मेकअप एंड हेयरस्टाइलिंग कैटेगरी में भी ऑस्कर मिला है। जबकि बार्बी को 8 कैटेगरी में नॉमिनेशन मिला था और जिसमें से 1 अवॉर्ड जीता।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के चयनित 84 अभ्यर्थियों को दिये नियुक्ति पत्र

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न विभागों में चयनित 84 अभ्यार्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए कहा कि खिलाडियों को खेलों में प्रतिभाग करने के लिए हर सम्भव सुविधायें प्रदान की जा रही हैं।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सेवक सदन में खेल नीति-2021 के अंतर्गत विभिन्न पदों पर चयनित राज्य के 31 विशिष्ट खिलाड़ियों को खेल विभाग, गृह विभाग, युवा कल्याण एवं वन विभाग में आउट ऑफ टर्न सेवायोजन, परिवहन विभाग में 25 कनिष्ठ सहायकों तथा उद्यान विभाग में 28 सहायक लेखाकारों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। इस प्रकार कुल 84 अभ्यर्थियों

को मुख्यमंत्री ने नियक्ति पत्र वितरित किये। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सभी अभ्यर्थियों को बधाई एंव शुभकामनाएं देते हुये कहा कि आपने यह सफलता कड़ी मेहनत व परिश्रम से हासिल की है। उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों से अपेक्षा की कि वे अपने दायित्व का संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और जवाबदेही के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि आप जितनी ईमानदारी, लगन और मेहनत से काम करेंगे, आपके आगे की राह उतनी ही सुगम और सरल होगी। मुख्यमंत्री ने खेल नीति 2021 का उल्लेख करते हुये कहा कि इसके तहत हमने अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय खेलों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न सरकारी नौकरी देने का जो वादा किया था, उसे हम आज धरातल पर उतरते हुए देख रहे हैं। उन्होने कहा कि हमने तय किया है कि जो भी युवा खेल की दुनिया में उत्तराखंड का नाम रोशन करेंगे, उन्हें प्रोत्साहित किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों के साथ ही खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय खेलों में प्रतिभाग करने के लिए तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा सरकार

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

दून वैली मेल

संपादकीय

सवालों के घेरे में चुनाव

लोकसभा चुनाव से ऐन पूर्व जिस तरह से मोदी सरकार की नीतियों पर एक के बाद एक सवाल खड़े होते जा रहे हैं उससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की मुश्किलें बढ़ना स्वाभाविक है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा मोदी सरकार के चुनावी चंदे के लिए जो इलेक्टोरल बांड का कानून बनाया गया था उसे असवैधानिक बता कर रद् किया जा चुका है। अब एसबीआई जिस तरह से इस चुनावी चंदे का हिसाब देने में आनाकानी कर रहा है उससे यह साफ हो गया है कि ऐसा खुद एसबीआई नहीं कर रहा है बल्कि सत्ता के दबाव में किया जा रहा है। जो इस बात को प्रमाणित करता है कि देश के सरकारी वित्तीय संस्थानों पर केंद्र की सत्ता ने कब्जा जमा लिया है। लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने वाली है ठीक उससे चंद दिन पूर्व चुनाव आयुक्त अरुण गोयल द्वारा अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया जाना राजनीतिक दलों से लेकर एक आम आदमी तक किसी के भी गले नहीं उतर रहा है। एक अधिकारी जिसे अपनी स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के महज 48 घंटे के अंदर प्रधानमंत्री या सरकार ने इस अहम पद पर बैठा दिया था जिसकी नियुक्ति पर हुए विवाद का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा हो तथा जिसको देश का मुख्य निर्वाचन आयुक्त बनने की संभावना हो वह भला निजी कारणों का हवाला देकर क्यों इतने बड़े पद को छोड़ सकता है यह सोचनीय जरूर है। वह भी ऐसी स्थिति में जब तीन सदस्यीय निर्वाचन आयोग में एक पद पहले से ही खाली है और अब एकमात्र मुख्य निर्वाचन आयुक्त के कंधों पर है और अब लोकसभा चुनाव की पूरी जिम्मेदारी आ गई हो। सरकार द्वारा निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्तियों का तो पहले ही कानून अपने अधिकार क्षेत्र में ले लिया गया है, वर्तमान के हालात में यह बताने के लिए काफी हैं। निर्वाचन आयोग अब एक स्वतंत्र व स्वात्तधारी संस्था नहीं रह गया है और उससे अब अगर कोई निष्पक्ष चुनाव की उम्मीद रखता है तो यह मात्र एक कल्पना ही हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिसे चाहेंगे वही अगर निर्वाचन आयुक्त होगा तो कोई भी आयुक्त सरकार के किसी आदेश की अवहेलना भला कैसे कर सकता है। अरुण गोयल की स्थिति के बाद अब निर्वाचन आयोग द्वारा क्या 2024 के वर्तमान चुनाव आगे टालने की कोशिश तो नहीं की जा रही है। यह सवाल इसलिए भी किया जा रहा है कि जब एसबीआई इलेक्टोरल बांड का हिसाब देने में 4 महीने का समय मांग सकता है तो फिर निर्वाचन आयोग भी आयुक्तों की कमी का हवाला देकर अभी चुनाव करने में अपनी असमर्थता जता सकता है। कहा जा रहा है कि 15 मार्च तक रिक्त आयुक्त के पदों पर नियुक्तियां की जा सकती है। लेकिन अब आने वाला समय ही बतायेगा कि क्या होने वाला है। लेकिन वह चाहे नोटबंदी हो या फिर नियुक्ति हो या इलेक्टोरल बांड अपने तमाम फैसलों को लेकर जिन पर गंभीर सवाल खड़े हो चुके हैं सरकार स्वयं को संकट में फंसा हुआ महसूस जरूर कर रही है। यही कारण है कि अब निर्वाचन आयोग व लोकसभा चुनाव भी सवालों के घेरे में आ चुके हैं।

अतिथि देवो भव की आत्मा पर प्रहार

●ललित शर्मा

भारतीय संस्कृति में अतिथि देवो भव का अर्थ है अतिथि देवता के समान होता है। यह वाक्य भारतीय संस्कृति में अतिथि के महत्व को इंगित कर रहा है। तैत्तिरीय उपनिशद के शिक्षावल्ली 11वें खंड में अतिथि देवो भव का वर्णन है। अतिथि देवो भव से जुड़ी अनेक पौराणिक कथाओं का वर्णन भारतीय संस्कृति में किया गया है। रामायण में शबरी को अतिथि सत्कार की भावना से प्रेरित दिखाया गया है जिसने अपने घर आए अतिथि श्रीराम को खट्टे बेर नहीं खाने दिए और मीठे बेर छांटकर श्रीराम को दिए। श्रीराम ने भी शबरी के जूठे बेर खाकर उनका मान रखा और अपना धर्म निभाया। जब गरीब ब्राह्ण सुदामा अपने मित्र श्रीकृष्ण से मिलने द्वारका नगरी पहुंचे। श्रीकृष्ण ने नंगे पैर दौड़ते हुए सुदामा के पास आए उनका आदरपूर्वक सम्मान किया। भारतीय संस्कृति में इस प्रकार की अनेक पौराणिक कथाएं यह दर्शाती हैं अतिथि को हमारे यहां कितना महत्व दिया जाता है। अतिथि देवो भव सिर्फ एक वाक्य नहीं वरन् यह भारतीय संस्कृति की आत्मा है। हाल ही में कुछ अराजक तत्वों ने इस आत्मा पर प्रहार किया है। झारखण्ड के दुमका जिले में शर्मसार करने वाली घटना सामने आई हैं और इस घटना ने भारत की वैश्विक स्तर पर विश्व गुरू की छवि को धूमिल किया है। एक स्पेनिश महिला के साथ 7 लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। विदेशी महिलाओं के साथ अभद्रता की यह कोई पहली घटना नहीं है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार 2022 में विदेशी महिलाओं के साथ अपराध की 192 घटनाऐं हुयीं जिनमें 28 विदेशी महिलाएं थीं जिनके साथ रेप की घटनाएं हुई हैं। इस प्रकार की घटनाएं कानून-व्यवस्था की लचरता को रेखांकित कर रही हैं। विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद की वर्ष 2021 की रिपोर्ट में विश्व सकल घरेलू उत्पाद में योगदान के मामले में भारत के पर्यटन को 10 वें स्थान पर रखा गया है। वित्त वर्ष 2020 में पर्यटन क्षेत्र में कुल 39 मिलियन रोजगार अवसर सृजित हुये जो 8 प्रतिशत रोजगार का प्रतिनिधित्व करते हैं। 2029 तक पर्यटन क्षेत्र में 53 मिलियन रोजगार सृजित होने की संभावना की जा रही है। यदि पर्यटन क्षेत्र को आर्थिक प्रगति का पहिया कहा जाये तो ऐसा कहना अतिशयोक्तिपूर्ण नहीं होगा। आईएमएफ ने भारत के 2027-2028 में तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी के साथ 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान लगाया है। इस लक्ष्य को साकार रूप देने के लिए पर्यटन क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उस स्पेनिश महिला से उन अपराधियों के अलावा अन्य भारतीयों ने अच्छा व्यवहार किया इसलिए उस महिला ने कहा 'भारत के लोगों ने मेरे साथ बहुत अच्छा व्यवहार किया सभी लोग बहुत दयालु हैं। मुझे भारत के लोगों से कोई शिकायत नहीं है। अपराधियों के अलावा भारत से मेरी अच्छी यादें हैं। स्पेनिश महिला के साथ हुआ बलात्कार सिर्फ एक घटना नहीं है बल्कि यह भारतीय संस्कारों, नैतिक मूल्यों, आदर्शों की हत्या है। हाल ही में भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लक्ष्यद्वीप में वैश्विक स्तर पर्यटन को बढ़ावा दे रहे इसी समय इस प्रकार की घटनाऐं विदेशी पर्यटकों में डर की भावना पैदा करेगी। भारत द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अतुल्य भारत अभियान, अतिथि देवो भव, विजित इंण्डिया 2009 आदि अनेक कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इस प्रकार घटनाओं को रोकने के लिए भारत सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिए। इन हैवानों को कठोर दण्ड दिया जाये इस प्रकार के मुकद्दमों का शीघ्र से शीघ्र निस्तारण किया जाये। पर्यटकों की सुरक्षा करने के लिए पर्यटन पुलिस निर्माण की नितांत आवश्यकता है क्योंकि पुलिस पर पहले से अतिरिक्त दबाव है इस कारण वह इस प्रकार की घटनाओं के समस्या के समाधान में अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं दे पाते। सिर्फ कानून-प्रशासन के जरिए बलात्कार-मुक्त समाज बनाना एक धोखे से ज्यादा कुछ नहीं है। इन हैवानों का सामाजिक बहिष्कार करना होगा इसकी शुरूआत परिवार के माध्यम से की जा सकती है। 1957 मैं बालीबुड की चर्चित फिल्म मदर इंण्डिया में अपने दुश्मन की बेटी की इज्जत बचाने के लिए फिल्म की पात्र राधा अपने बेटे बिरजू को गोली मार देती है। क्या वर्तमान समाज द्वारा इस काल्पनिक कहानी को वास्तविक रूप में चरितार्थ नहीं किया जा सकता है। कब? हम इस लज्जादायक बीमारी बलात्कार से अपनी संगिनी, सहधर्मिणी स्त्री जाति जो मां, बहन, बेटी, पत्नी को उचित और आदर्श सम्मान दिला सकेंगे जिसकी वह पात्र और हमारा सम्मान, गौरव भी है।

सरकार सस्ते गल्ले की दुकानों में राशन की मात्रा बढाए:डंडरियाल

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल ने कहा कि प्रदेश सरकार सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों में राशन की मात्रा बढाए।

आज यहां उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार और परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल ने एक बयान जारी करते हुए प्रदेश सरकार के खाद्य मंत्री से मांग की है कि वहां सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों में राशन की मात्रा को बढ़ाएं।

प्रभात डंडरियाल और सुरेश कुमार ने जिला प्रशासन और प्रदेश के खाद्य मंत्री से जनहित में आग्रह किया है कि वह राशन की दुकानों में पीले कार्ड धारकों को भी गेहूं व चावल वितरित करने का आदेश जारी कराये ताकि जनता को असुविधा से बचाया जा सके व समय-समय पर दाल व चीनी भी वितरित प्रति कार्ड पर कराये।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पत्रकार स्थाई समिति का गठन

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पत्रकार उत्पीड़न से सम्बन्धित प्रकरणों का निस्तारण करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी देहरादून श्रीमती सोनिका की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पत्रकार स्थाई समिति का गठन किया गया।

समिति के पदेन सदस्य वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून, सदस्य सचिव जिला सूचना अधिकारी देहरादून तथा सदस्य पत्रकार रामगोपाल शर्मा, सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल, संजय पाण्डेय के साथ ही मेघा गोयल एवम महेश रावत शामिल है।

समिति के सदस्य वरिष्ठ पत्रकार संजय पाण्डेय द्वारा सहायक निदेशक /जिला सूचना अधिकारी बी. सी . नेगी से संपर्क कर समिति गठन करवाने में उनके अथक प्रयासों की सराहना करते हुए श्री नेगी को धन्यवाद प्रकट किया तथा उनके माध्यम से समिति के सभी सदस्यों की ओर से समिति की अध्यक्ष जिलाधिकारी श्रीमती सोनीका का आभार प्रकट किया हैं।

परि सद्येव पशुमान्ति होता राजा न सत्य: समितीरियान:।
सोम: पुनान: कलशाँ अयासीत्सीदन्मृगो न महिषो वनेषु।।
(ऋग्वेद ९-९२-६)

जिस प्रकार एक विद्वान प्रबुद्ध मनुष्यों की सभा को प्राप्त होता है। जिस प्रकार एक राजा सत्य और न्याय के लिए वचनबद्ध होकर राजसभा में आता है। उसी प्रकार सोम एक समर्पित भक्त के मन और आत्मा को पवित्र करें और फिर एक शक्तिशाली शेर की भांति उस पर शासन करें।

शहीद कपिल पंवार मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में गढवाल ब्वॉज ने जीती ट्राफी

संवाददाता

देहरादून। शहीद कपिल पंवार मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के फाईनल में गढवाल ब्वाज ने ईगल टीम को 24 रनों से पराजित कर ट्राफी पर कब्जा किया।

शहीद कपिल पंवार निम उत्तरकाशी के पर्वतवाही थे और 13600 फीट की ऊंचाई पर स्थित हिमालय के ग्लेशियर उत्तरकाशी में 'द्रोपदी का डांडा' में बर्फ के नीचे दबकर शहादत को प्राप्त हुए इसीलिए शहीद कपिल पंवार की स्मृति में यह टूर्नामेंट आयोजित कराया जाता है।

शहीद कपिल पंवार मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट ने फाइनल में वरिष्ठ कांग्रेस नेता अभिनव थापर ने मुख्य अतिथि के रूप में भागीदारी कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और उनको पुरस्कार वितरण कर समारोह का समापन किया।

कांग्रेस नेता अभिनव थापर ने कहा कि खेल जिंदगी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और क्रिकेट या अन्य किसी भी खेल से युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित होती है और इससे समाज में युवाओं के लिए प्रोत्साहन होता है और आगे भविष्य बनाने की भी संभावना उपलब्ध होती है। निरंजनपुर स्तिथ दून बलोनी क्रिकेट स्टेडियम में इस क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। टूर्नामेंट के फाइनल में गढ़वाल बॉयज ने ईगल टीम को रोमांचक मुकाबले में 24 रन से परास्त किया। गढ़वाल बॉयज के कप्तान नमन अरोड़ा को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, सूरज चौहान को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज व मैन ऑफ द मैच का पुरुस्कार मिला। समापन कार्यक्रम में अतिथियों के रूप में सन्नी राणा, डॉ रचित गर्ग, दिल्ली रणजी खिलाड़ी कुणाल चंदेला, शैलेन्द्र कौशिक आदि ने भाग लिया। शहीद कपिल पंवार स्मृति मंच के अध्यक्ष देवेंद्र पंवार ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया।

घरेलू चीजों से पाएं निखार

कई बार ढेरों ब्यूटी प्रॉडक्ट्स और ट्रीटमेंट्स लेने के बाद भी चेहरे पर खास निखार नहीं आ पाता। ऐसे में घरेलू प्रॉडक्ट्स से खूबसूरती बरकरार रखी जा सकती है। वैसे, भी ये सस्ते और बढिया तो हैं ही और इनका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।

अक्सर लोग स्किन की प्रॉब्लम्स से निपटने के लिए ढेरों ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं और कोई फायदा नहीं होता। लेकिन ऐसे में खूबसूरती पाने के लिए एक सस्ता और बढिया ऑप्शन है घरेलू चीजों से निखार लाना।

अगर सूरज की किरणों से आपकी स्किन पर डार्क पैचेज पड गए हैं, तो पानी की कुछ बूंदों में बेसन घोल लें और उसे पैचेज वाली जगहों पर लगाएं। यह आपकी स्किन को एक्सफोलिएट कर उसे ग्लो देगा। इसका फायदा आपको तकरीबन दो महीने में मिलना शुरू हो जाएगा।

योगर्ट स्किन के डार्क स्पॉट्स को कम तो करता ही है और स्किन के दाग धब्बे कम करने में भी मदद करता है। यही नहीं, स्किन को सॉफ्ट बनाने के साथ ही यह उसको शाइनिंग भी देता है।

आंखों के नीचे आए डार्क सर्कल से परेशान हैं, तो एलोवेरा जेल को हनी के साथ मिक्स करके लगाएं। इसे लगाकर पांच से सात मिनट के लिए छोड दें और बाद में ठंडे पानी से धो लें। अगर आंखों में थकान है, तो भी काफी राहत मिलेगी।

ब्लीचिंग के तौर पर इसका इस्तेमाल बेहद फायदेमंद है। यह ब्लैक पैचेज को कम कर देता है। वार को पीसकर इसे लेमन जूस में मिला लें। पेस्ट को थिक ही रखें। इस पेस्ट से रोजाना स्ब करने से कुछ ही दिनों में स्किन क्लीन हो जाएगी। यह अंडर आर्म्स के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है।

मुलहठी के मीठे उपयोग

छोटे बच्चों और बच्चों के लिए आमतौर पर उपयोग में लाई जाने वाली वनौषधियों में एक है- मुलहठी, इसे जेठीमध, मधुक, मधुयस्टि भी कहते हैं। अँग्रेजी में इसे लिकोरिस कहते हैं। मुलहठी स्वाद में मधुर, शीतल, पचने में भारी, स्निग्ध और शरीर को बल देने वाली होती है। इन गुणों के कारण यह बढे हुए तीनों दोषों को शांत करती है। मुलहठी की एक से डे? मीटर ऊँची बेल होती है और इमली जैसे छोटे-छोटे पत्ते होते हैं। इन बेलों पर बैंगनी रंग के फूल लगते हैं इसकी जडें जमीन के अंदर फैली होती हैं, जिनका औषधि के लिए उपयोग किया जाता है। मुलहठी स्वाद में मधुर, शीतल, पचने में भारी, स्निग्ध और शरीर को बल देने वाली होती है। इन गुणों के कारण यह बढे हुए तीनों दोषों को शांत करती है। खाँसी-जुकाम कफ को कम करने के लिए मुलहठी का यादातर उपयोग किया जाता है। बडे हुए कफ से गला, नाक, छाती में जलन हो जाने जैसी अनुभूति होती है, तब मुलहठी को शहद में मिलाकर चाटने से बहुत फायदा होता है।

बडों के लिए मुलहठी के चूर्ण का इस्तेमाल कर सकते हैं। शिशुओं के लिए मुलहठी के जड को पत्थर पर पानी के साथ 6-7 बार घिसकर शहद या दूध में मिलाकर दिया जा सकता है। यह स्वाद में मधुर होती है अत- सभी बच्चे बिना झिझक के इसे चाट लेते हैं।

मुलहठी बुद्धि को भी तेज करती है। अत- छोटे बच्चों के लिए इसका उपयोग नियमित रूप से कर सकते हैं। यह हल्की रेचक होती है। अत- पाचन के विकारों में इसके चूर्ण को इस्तेमाल किया जाता है। विशेषत- छोटे बच्चों को जब कब्ज होती है, तब हल्के रेच के रूप में इसका उपयोग किया जा सकता है। छोटे शिशु कई बार शाम को रोते हैं। पेट में गैस के कारण उन्हें शाम के वक्त पेट में दर्द होता है। उस समय मुलहठी को पत्थर पर घिसकर पानी या दूध के साथ पिलाने से पेट दर्द शांत हो जाता है।

मुलहठी की मधुरता से पित्त का नाश होता है। आमाशय की बढी हुई अम्लता एवं अम्लपित्त जैसी व्याधियों में मुलहठी काफी उपयुक्त सिद्ध होती है। आमाशय के अंदर हुए व्रण (अलसर) को मिटाने के लिए एवं पित्तवृद्धि को शांत करने के लि मुलहठी का उपयोग होता है। मुलहठी को मिलाकर पकाए गए घी का प्रयोग करने से अलसर मिटता है। यह कफ को आसानी से निकालता है।

अत- खाँसी, दमा, टीबी एवं स्वरभेद (आवाज बदल जाना) आदि फेफडों की बीमारियों में बहुत लाभदायक है। कफ के निकल जाने से इन रोगों के साथ बुखार भी कम हो जाता है। इसके लिए मुलहठी का एक छोटा टुकडा मुँह में रखकर चबाने से भी फायदा होता है।

त्वचा के जख्म में जलन और पीढा हो रही हो तो जौ के आटे में मुलहठी और तिल का चूर्ण तथा घी मिलाकर पेस्ट जैसा बना लें। इसे जख्म पर लेप करने से घाव शीघ्र भर जाता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

प्रोटीन के अलावा भी बहुत कुछ देता है अंडा

अंडा सिर्फ प्रोटीन से ही भरपूर नहीं होता है बल्कि इसके और भी कई फायदे हैं। अगर आप अपने खाने में अंडे को शामिल करते हैं तो इससे सेहत और सौंदर्य से भरपूर मिसाल फायदे मिल सकते हैं। आइए जानते हैं फायदे...

मिनरल्स से भरपूर : अंडे में नौ अमीनो ऐसिड होते हैं, जो शरीर की जरूरतों को पूरा करते हैं। इसमें विटमिन ए, बी, बी12, विटमिन डी और विटामिन ई भी भरपूर मात्रा में होते हैं। इसके अलावा यह फॉलेट, सेलेनियम और कई मिनरल्स का अच्छा स्त्रोत है।

मेमरी बढ़ती है : अंडे में मौजूद ओमेगा 3, विटमिन्स और फैटी ऐसिड दिमाग के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इसमें कोलीन पाया जाता है, जिसके प्रयोग से मेमरी के साथ दिमाग की कार्यक्षमता बढ़ जाती है और वह बेहतर काम करता है।

डिप्रेशन करे दूर : अगर मूड खराब हो, तो अंडा आपके लिए मददगार है। इसमें मौजूद विटमिन बी-12 तनाव को दूर करने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें कुछ ऐसे तत्व भी पाए जाते हैं जो आपके मूड को बेहतर बनाते हैं और डिप्रेशन दूर करते हैं।

प्रेग्नेंसी के दौरान फायदेमंद : गर्भावस्था में भी अंडा एक सेहतमंद फूड है। यह गर्भस्थ शिशु के शारीरिक और मानसिक विकास में मदद करता है। इसके अलावा यह शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की पूर्ति करता है। इसलिए डॉक्टर्स भी इस दौरान अंडा खाने की सलाह देते हैं।

रोशनी बढ़ाता है : एक शोध के अनुसार अंडे का सेवन करने से मोतियाबिंद का खतरा कम हो जाता है और आंखों की मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं। इसमें मौजूद ऐंटीऑक्सिडेंट्स, रेटीना को मजबूती देने का काम करते हैं।

वेट को करे कंट्रोल : वजन को संतुलित रखने में अंडा बहुत मददगार होता है। इसे खाने के बाद देर तक पेट भरा रहता है और शरीर को ऊर्जा मिलती रहती है, जिससे आपको भूख कम लगती है और आपकी डायट कम हो जाती है। इससे आपका वजन नियंत्रित रहता है।

बालों को मजबूत बनाता है : अंडा प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत है, इसलिए यह बालों और नाखूनों के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। यह बालों को मजबूत बनाने के साथ ही उसकी गुणवत्ता में बदलाव लाता है, साथ ही इससे नाखून भी मजबूत होते हैं।

लाल रंग का हमारे मूड पर होता है गहरा असर

लाल रंग का हमारे मूड, विचारों और काम पर गहरा असर होता है। जानिए कैसे।।। हमारे शरीर में लाल रक्त है। यह रंग हमारे पूरे शरीर को उर्जा देता है और लोगों को शायद सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाला रंग भी लाल ही है। ये दफ्तर में आपके काम से लेकर निजी संबंधों तक को प्रभावित करता है। महारानी के ताज के लांल रंग से लेकर एम्सटर्डम के रेड लाइट एरिया तक आज सुर्ख रंग के शेड्स को सत्ता, आक्रमण और सेक्स से जोड़कर देखा जाता है। 'रंगों के मनोविज्ञान' से पता चला है कि लाल रंग का हमारे मूड, विचारों और काम पर गहरा असर होता है। इससे आपकी फिजियोलॉजी और हार्मोन संतुलन पर और खेल के मैदान में प्रदर्शन भी प्रभावित हो सकता है।

बहुत से स्तनधारी प्राणी कुत्तों की तरह लाल और हरे रंग में फर्क नहीं कर पाते। जब हमारे पूर्वज जंगल के जीवन में ढल रहे थे तब उनकी आंखों के रेटिना में एक खास सेल विकसित हो रहा था। ये पत्तों के बीच से लाल चमकीले फलों को चुनने में मदद करता था। धीरे-धीरे गुस्से में नाक लाल होना ताकत की निशानी बन गया। मेंड्रिल बंदर इसका अच्छा उदाहरण हैं। जितना सेहतमंद बंदर, उतना गाढ़ा उसकी नाक का लाल रंग।

जब ओलिंपिक खिलाड़ियों के पहनावों पर शोध किया। मुक्केबाजी और ताईचांडो में हुए इस शोध में पाया गया कि लाल रंग की पोशाक पहनने वाले खिलाड़ियों के जीतने की संभावना पांच फीसद अधिक थी। 'लाल रंग की पोशाक आपको जबरदस्त खिलाड़ी नहीं बनाती लेकिन जब आपका मुकाबला बराबरी के प्रतिद्वंदी से हो तो यह जीत और हार के संतुलन को जरूर प्रभावित करती है।' फुटबॉल के मैदान पर शोध से पता चला कि यदि गोलकीपर ने लाल रंग पहना हो तो पेनॉल्टी शूटआउट में गोल की संभावना कम हो जाती है।

लाल रंग की वजह से होने वाली आक्रामकता के नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं। प्रोफेसर एलियट कहते हैं, 'लाल पके हुए फल का रंग है, गुस्साए चेहरे का रंग है, सेक्स उत्तेजना का रंग है। इसलिए इसे हमेशा हमारे अस्तित्व से जोड़कर देखा जाता रहेगा।

शीशे की तरह चमकने लगेगा बाथरूम...!

बाथरूम घर का बहुत जरूरी अंग है जिसका इस्तेमाल रोजाना किया जाता है। नहाने-कपड़े धोने से लेकर दैनिक क्रिया करने के लिए हम लोग बाथरूम रोजाना इस्तेमाल करते हैं। इस्तेमाल होते-होते बाथरूम का रंग काला पड़ जाता है और फर्श पर दाग लग जाते हैं। ऐसे में ये बहुत जरूरी होता है कि हाइजीन मेंटेन किया जाए ताकि बाथरूम साफ-सुथरा रहे और इंफेक्शन का खतरा न के बराबर हो।

अपनाएं ये कारगर तरीका

वैसे मार्केट में तमाम तरह के क्लीनर मौजूद हैं जिसकी मदद से आप बाथरूम की सफाई कर सकते हैं लेकिन हम आपसे साझा कर रहे हैं वो देसी नुस्खा जिसका इस्तेमाल करते ही आप भी कहेंगे न हींग लगे न फिटकरी रंग चोखा ही आवे। यानी कि बेकिंग सोडा। बेकिंग सोडा से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। क्योंकि यह आपके बाथरूम में लगे महंगे स्टोन से गंदगी को हटाने के साथ इसे डैमेज से भी बचाता है।

दाग हटाए बेकिंग सोडा

बाथरूम में लगा शावर हेड यदि गंदा हो गया है तो इसे चमकाने के लिए अपने शावर हेड को अलग करें और इसे बेकिंग सोडा और विनेगर के घोल में घंटे भर के लिए भिगोकर छोड़ दें। यदि शावर हेड को खोलकर निकालना मुश्किल हो तो एक प्लास्टिक की थैली में घोल को भरकर इसके मुंह पर बांध दें।

शीशे की तरह टाइल्स

रोजाना यूज होने और पानी के कारण बाथरूम की परत पर काई जम जाती है। ऐसे मे इसे हटाने के लिए बेकिंग सोडा अच्छा विकल्प हो सकता है। सके लिए डिशवॉश साबुन के साथ बेकिंग सोडा का घोल तैयार करें और इसे टाइल्स पर फैलाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर स्क्रब या ब्रश की मदद से फ्लोर को रगड?र साफ कर लें। ऐसा करते ही आप देखेंगे कि आपकी टाइल्स एकदम से चमचमा गई है और आपको बहुत ही फ्रेश एहसास होगा। आप जितनी बार बाथरूम यूज करने आएंगे आपको हर दफा अच्छा लगेगा।

बेकिंग सोडा से टॉयलेट साफ

टॉयलेट साफ करने के लिए मार्केट में कई उपाय मौजूद हैं, लेकिन बेकिंग सोडा की मदद से आप बाथरूम को लंबे समय तक चमकाकर रख सकते हैं, इसके लिए बेकिंग सोडा में डिश वॉश बार मिलाकर घोल बनाएं और फिर साफ करें।

मिरर पर लगे पानी के दाग ऐसे हटाएं

बाथरूम में अमूमन मिरर पर पानी के दाग लग जाते हैं जिसके कारण इसे साफ करना मुश्किल हो जाता है। ऐसी सफाई के लिए बेकिंग सोडा काफी मददगार साबित होता है, बेकिंग सोडा को वाइट विनेगर के साथ मिलाकर घोल बना लें, फिर एक कॉटन केकपड़ेको इसमेंभिगोकर कांच को साफ करते हुए साफ करें ऐसा करने से दाग या निशान नहीं रहेंगे और आईना चमक उठेगा। (आरएनएस)

इलेक्टरल बॉन्ड गैर कानूनी

अजय दीक्षित

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाया है उसने राजनैतिक दलों को इलेक्टरल बॉड से मिलने वाले चंदे को गैर कानूनी करार दिया है। असल में अनेक कम्पनियां सत्तारूढ़ दल को चन्दा तो देना चाहती हैं (और बदले में अपने लिए कुछ विशेष रियायतें चाहती हैं) परन्तु वह अपना नाम गोपनीय रखना चाहती हैं। प्राय- तो सत्तारुढ़ दल को ही सबसे ज्यादा चन्दा मिलता है।

सन् 2017-18 के वित्तीय वर्ष में तत्कालीन केन्द्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली इस स्कीम को लाये थे। इसके अन्तर्गत स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया साल में चार बार कुछ दिनों तक इलेक्टोरल बॉण्ड बेच सकती है। यह भी केवल कुछ ही निर्धारित शाखाओं पर। इस स्कीम के अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति, संस्था, कम्पनी इन बॉण्डों को खरीद सकती है और फिर उसे किसी पार्टी को दे सकती है। स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया को तो मालूम रहता है कि बॉण्ड किसने खरीदा है, परन्तु राजनैतिक दल जिसे यह प्राप्त होता है, वह नहीं जानता कि यह दान किसने दिया है। यूं अनौपचारिक रूप से कहा जाता है कि वह व्यापारिक कम्पनी सत्तारुढ़ दल को बतला देती है कि वह इतनी राशि का इलेक्टोरल बॉण्ड दे रही है। इससे वह जो तथाकथित लाभ जाती है उसका रास्ता खुला रहता है। वे तो कोई और राजनैतिक दल या कोई व्यक्ति या इलेक्शन कमीशन को कुछ भी मालूम होता था। अभी तक नगद चंदा मात्र बीस हजार रुपये ही दिया जा सकता है। कोई चाहे तो चेक से भी दान दे सकता है, तब सबको पता चल जाता है कि कौन किस पार्टी को कितना चन्दा दे रहा है। इलेक्टोरल बॉण्ड से गोपनीयता बनी रहती है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि गुप्त चंदा वोटर से विश्वासघात है। आदेश में कहा गया है कि स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया अब तक जारी सभी इलेक्टोरल बॉण्ड किसने कब, कितने के खरीदे इसका विवरण तीन हफ्ते में इलेक्शन कमीशन को दें और इलेक्शन कमीशन को दें और इलेक्शन कमीशन से अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक करें।

यह स्कीम लाते समय केन्द्रीय सरकार ने कम्पनी कानून और इनकम टेक्स आदि के नियमों में भी बदलाव किया था। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग की खूब खिचाई की है। पहले घाटे वाली कंपनियां चंदा नहीं दे सकती थीं। इस स्कीम में किसी पर कोई प्रतिबंध नहीं रहा।

सुप्रीम कोर्ट में पेश आंकड़ों से ज्ञात होता है कि अब तक 16,000 करोड़ के बॉण्ड स्कढ्ढ ने बेचें हैं जिसमें से 6566 करोड़ रुपये का चन्दा भाजपा को मिला है। जनवरी 2024 तक 16518 करोड़ ग्यारह लाख रुपये के बॉण्ड बिके हैं। कहते हैं राजनैतिक दलों को जो चंदा मिला है उसमें आधे से ज्यादा इलेक्टोरल बॉण्ड से मिला है, किसी-किसी क्षेत्रीय दल को तो 90त्न तक चंदा इलेक्टोरल बॉण्ड से मिला है।

भाजपा को कुल चंदे का आधा हिस्सा इलेक्टोरल बॉण्ड से मिला है। आर.बी.आई. के नियमों में भी बदलाव किया गया।

अब यह सारी सूचना वेबसाइट पर आ जायेगी तो पता चल जायेगा कि किस पार्टी को किस कम्पनी ने पैसा दिया है। विपक्ष का आरोप है कि अब यह खुलासा हो जायेगा कि अडानी के ग्रुप ने कितना पैसा भाजपा को दिया है ?। वहीं विपक्ष को डर है कि अब यह पता चल जायेगा कि भाजपा को नीचा दिखलाने के लिए किस कम्पनी ने पैसा दिया है। कुल मिलाकर यह वोटर की बड़ी जीत है और भारत के प्रजातंत्र की रक्षा सुप्रीम कोर्ट ही कर सकता है और सत्तारूढ़ दल या विपक्ष देश में प्रजातंत्र की रक्षा के लिए मात्र घडि?ाली आंसू बहाते हैं।

केंद्रीय मंत्री चुनाव हारे तो क्या होगा ?

कई केंद्रीय मंत्री लोकसभा का चुनाव लडने् वाले है। जिन मंत्रियों का राज्यसभा का कार्यकाल अप्रैल में पूरा हो रहा है और दोबारा टिकट नहीं मिली है उनका तो लोकसभा चुनाव लडना् तय है। ऐसे पांच मंत्री हैं। धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव, मनसुख मांडविया, पुरुषोत्ताम रूपाला और नारायण राणे। इनके अलावा कुछ और मंत्री हैं, जिनका राज्यसभा का कार्यकाल अभी पूरा नहीं हुआ है लेकिन उनको भी लोकसभा का चुनाव लड़ाने की चर्चा है।

पीयूष गोयल, निर्मला सीतारमण, एस जयशंकर, हरदीप पुरी, राजीव चंद्रशेखर आदि के बारे में चर्चा है कि इनको इस बार लोकसभा का चुनाव लडने् को कहा जा सकता है। निर्मला सीतारमण, जयशंकर और राजीव चंद्रशेखर के लिए दक्षिण के ऐसे राज्यों में सीट तलाशी जा रही है, जहां भाजपा पिछली बार खाता नहीं खोल पाई थी।

सोचें, अगर ये बड़े नेता लोकसभा का चुनाव हार गए तो क्या होगा? वैसे लोकसभा का चुनाव हारने वाले नेताओं को मंत्री बनाने का चलन रहा है। 2014 में तो अरुण जेटली के हारने पर नरेंद्र मोदी ने उनको वित्त व रक्षा मंत्री एक साथ बनाया था और स्मृति ईरानी को हारने के बावजूद देश का शिक्षा मंत्री बनाया था। दूसरी बार भी हरदीप पुरी हार कर केंद्र में मंत्री बने। लेकिन शायद इस बार ऐसा न हो। कई कई बार राज्यसभा सांसद रहने के बाद पहली बार चुनाव लडने् वाले नेता अगर हारते हैं तो उनको संगठन में भेजा जा सकता है।

तभी ये नेता या तो चुनाव नहीं लडना् चाहते हैं या सुरक्षित सीट की तलाश कर रहे हैं। सुरक्षित सीट की तलाश की योजना के तहत ही यह खबर मीडिया में लीक की गई थी कि निर्मला सीतारमण और जयशंकर दोनों कर्नाटक से चुनाव लड़ सकते हैं। लेकिन बाद में प्रहलाद जोशी ने खंडन किया कि उन्होंने ऐसी कई बात नहीं कही है। अब दोनों के केरल या तमिलनाडु से लडने् की चर्चा है। (आरएनएस)

अमरूद खाने के बाद इन 5 चीजों का सेवन खतरनाक

हम अक्सर मौसम के मुताबिक अलग-अलग फल खाते हैं। इन्ही में फलों में अमरूद भी शामिल है। हम सभी लोग जानते हैं कि अमरूद सेहत के लिए फायदेमंद होता है। लेकिन अगर आपने अमरूद के तुरंत बाद कुछ चीजें खाते हैं, तो ये नुकसान भी करेगा। आज हम आपको बताएंगे कि अमरूद के तुरंत बाद क्या नहीं खाना चाहिए। बता दें कि अमरूद में विटामिन सी पाया जाता है। ऐसे में यदि आप इसे किसी मिल्क प्रोडक्ट के साथ खाएंगे तो ये आपके शरीर को कई तरह से नुकसान करेगा। बलराम चिकित्सालय लखनऊ के आयुर्वेदाचार्य डॉ। जितेंद्र शर्मा ने मीडिया से बातचीत में बताया कि अमरूद खाने के बाद किन चीजों को नहीं खाना चाहिए। क्योंकि ये सभी चीजें अमरूद के तुरंत बाद खाने से हेल्थ पर इसका बुरा असर पड़ता है।

अमरूद के तुरंत बाद नहीं खाना चाहिए ये चीजें!

पानी - अमरूद खाने के बाद पानी पीना आपके वात-पित्त और कफ को असंतुलित कर सकता है। इस कारण सर्दी-जुकाम की समस्या हो सकती है। इसके अलावा ये आपके डाइजेस्टिव एंजाइम्स को भी नुकसान पहुंचा सकता है।

केला - अमरूद खाने के बाद कुछ फलों को नहीं खाना चाहिए। उदाहरण के लिए केला नहीं खाना चाहिए। केला खाना पेट की कई समस्याओं का कारण बन सकता है। क्योंकि अमरूद एसिडिक पीएच वाला फल है और केला मीठा फल है। ऐसे में जब आप इन दोनों को एक साथ खाते हैं तो ये गैस, सिरदर्द और पेट से जुड़ी कई बीमारियों का कारण बन सकते हैं।

दूध - अमरूद खाने के बाद दूध पीना आपके शरीर की कई समस्याओं को बढ़ाने का काम कर सकता है। ये पहले तो विटामिन सी के साथ रिएक्ट करता है और आपके पाचन क्रिया को स्लो कर देता है। इसकी वजह से आपके पेट में दर्द शुरू हो सकता है। इसके अलावा कब्ज की समस्या भी परेशान कर सकती है।

दही - जानकारी के मुताबिक अमरूद के बाद दही का सेवन नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से आपके पेट में ठंड पहुंचने का जोखिम बढ़ सकता है। इसके अलावा आपको उल्टी भी हो सकती है।

छाछ - अमरूद खाने के बाद छाछ का सेवन नहीं करना चाहिए। ये लंबे समय एसिडिटी का कारण बन सकता है और इससे आपका पेट खराब और पेट में दर्द शुरू हो सकता है। (आरएनएस)

बॉक्स ऑफिस पर लापता लेडीज ने दूसरे दिन लगाई लंबी छलांग

सुपरस्टार आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस में बनी 'लापता लेडीज' शुक्रवार यानी 1 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई. इस मूवी को क्रिटिक्स से अच्छे रिव्यूज मिले हैं. 'लापता लेडीज' ने बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी, लेकिन दूसरे दिन इसके कलेक्शन में जबरदस्त उछाल आया है. वहीं, 'लापता लेडीज' के साथ रिलीज हुई वरुण तेज की फिल्म 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' भी जबरदस्त कमाई कर रही है. जानिए दूसरे दिन दोनों फिल्मों ने कितने करोड़ की कमाई की है.

'लापता लेडीज' को दर्शकों से खूब प्यार मिल रहा है. फिल्म की खूब तारीफ हो रही है. ओपनिंड डे पर 'लापता लेडीज' ने भारत में 75 लाख रुपये का बिजनेस किया था. वहीं, दूसरे दिन फिल्म की कमाई में 100 फीसदी से ज्यादा उछाल देखने को मिला है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, 'लापता लेडीज' ने शनिवार को भारत में 1.60 करोड़ का बिजनेस किया है. हालांकि, ये अर्ली एस्टीमेट है. ऑफिशियल डेटा आने के बाद कलेक्शन के आंकड़े में थोड़ा-बहुत बदलाव देखन को मिल सकता है. भारत में 'लापता लेडीज' की दो दिन की कमाई 2.35 करोड़ हो चुकी है.

किरण राव ने फिल्म 'लापता लेडीज' का निर्देशन किया है. ये एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है जो कि ग्रामीण इलाके की कहानी को बयां करती है. फिल्म में रवि किशन, नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव और छाया कदम ने अहम भूमिका निभाई है.

वहीं, वरुण तेज की फिल्म 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' में मिस वर्ल्ड रह चुकीं मानुषी छिल्लर ने फीमेल लीड रोल प्ले किया है. ये तेलुगु के अलावा हिंदी भाषा में भी रिलीज हुई है. 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' देशभक्ति से लबरेज फिल्म है।

शब्द सामर्थ्य - 97

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

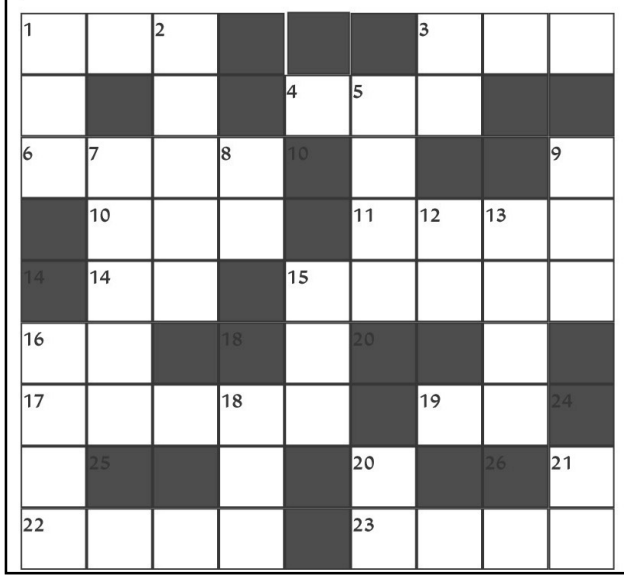

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 96 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

इम्तियाज अली की चमकीला का पहला गाना इश्क मिटाये जारी

इम्तियाज अली की फिल्म चमकीला का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म पंजाबी गायक अमर सिंह चमकीला की बायोपिक होगी।इसमें दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा की जोड़ी बनी है।फिल्म में दिलजीत चमकीला के अवतार में नजर आएंगे, वहीं परिणीति इसमें चमकीला की पत्नी अमरजोत का किरदार निभाने वाली हैं। अब चमकीला का पहला गाना इश्क मिटाये जारी कर दिया है, जिसे मोहित चौहान ने आवाज दी है। गाने के बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं।

चमकीला का प्रीमियर 12 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर होगा।अमर सिंह चमकीला को पंजाब के अब तक के सबसे अच्छे लाइव स्टेज परफॉर्मर्स में से एक माना जाता है।वह गांव के दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय थे। उनके गाने में उस दौर के पंजाब की सच्चाई थी। चमकीला अपनी पत्नी अमरजोत संग जालंधर से महसामपुर में लाइव परफॉर्मेंस के लिए गए थे, लेकिन कार से बाहर निकलते ही दोनों को गोलियों से छलनी कर दिया गया।

इससे पहले फिल्म अमर सिंह चमकीला के बारे में बात करते हुए निर्देशक इम्तियाज अली ने कहा, जनता के पॉपुलर संगीत सितारे के जीवन के बारे में 'अमर सिंह चमकीला' बनाना मेरे लिए एक अनोखी जर्नी रही है। मैं इस फिल्म में अभिनय करने के लिए बेहद प्रतिभाशाली दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा से बेहतर कलाकारों की उम्मीद नहीं कर सकता था, खासकर क्योंकि इसमें कुछ लाइव सिगिंग शामिल है। यह फिल्म चमकीला के साहसी गीतों की बेतहाशा लोकप्रियता पर आधारित है, जिसे समाज न तो नजरअंदाज कर सकता है और न ही निगल सकता है।नेटफ्लिक्स को एक भागीदार के रूप में पाकर, मैं अपनी कहानी को न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर के लाखों दर्शकों तक ले जाने के लिए आभारी हूं।

रेडियो जॉकी बनीं सारा अली खान

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'ऐ वतन मेरे वतन' को लेकर खबरों में बनी हुई हैं। बता दें कि इस साल सारा अली खीन अपने फैंस को कुछ धमाकेदार और असल कहानियों से प्रेरित फिल्में दिखाने के लिए तैयार हैं। साल 2024, मार्च के महीने में उनकी दो फिल्में बैक टू बैक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने के लिए तैयार हैं। इनमें एक 'मर्डर मुबारक' है और दूसरी 'ऐ वतन मेरे वतन' है, जिसका ट्रेलर आज रिलीज कर दिया गया है।

आपको बता दें कि इस फिल्म का ट्रेलर करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस मूवी में सारा उस जाबांज महिला की कहानी दिखाएंगी, जिन्होंने रेडियो से अंग्रेजों की हालत खराब कर दी थी। इस ट्रेलर में सारा को 'स्वतंत्रता की आखिरी लड़ाई' लडने के लिए 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान ब्रिटिश राज के खिलाफ अंडरग्राउंड स्टेशन शुरू करते और इसी के जरिये अंग्रेजों के छक्के छुड़ाते देखा जा सकता है। 'ऐ वतन मेरे वतन' फिल्म में सारा अली खान, उषा मेहता के रोल में नजर आएंगी। उषा मेहता ने भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान खुफिया रेडियो स्टेशन की शुरुआत की थी, जिसके लिए वो पूरे देश में मशहूर भी हुई थीं।

सारा अली खान को इस तरह के रोल में देख फैंस उनकी तारीफ कर रहें हैं। ट्रेलर में सारा की पावरफुल परफॉर्मेंस देखने को मिल रही है। ये फिल्म अमेजन प्राइम पर 21 मार्च को रिलीज होगी। वहीं, इससे पहले नेटफ्लिक्स पर उनकी मूवी 'मर्डर मुबारक' दस्तक देगी।

आर्टिकल 370 की वर्ल्डवाइड कलेक्शन 60 करोड़ की ओर

यामी गौतम की आर्टिकल 370 फिल्म की कहानी लोगों को बेहद पसंद आ रही है. कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने के मुद्दे पर आधारित इस फिल्म में यामी गौतम की एक्टिंग को खूब सराहा गया. हालांकि, बीच में कमाई का ग्राफ थोड़ा डगमगाता हुआ दिखा लेकिन अब फिल्म ने दोबारा से रफ्तार पकड़ ली है. वहीं अब सेकंड शनिवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े सामने आ गए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक 'आर्टिकल 370' ने रिलीज के 9वें दिन 5.75 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसके बाद 'आर्टिकल 370' का आठ दिनों का कुल कलेक्शन 44.35 करोड़ रुपये हो गया है. वहीं शुक्रवार की तुलना में आज आर्टिकल 370 की कमाई दोगुनी है. महज 20 करोड़ के बजट में बनी ये फिल्म जल्द ही 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लेगी. फिल्म में यामी गौतम एक इंटेलिजेंस ऑफिसर के किरदार में हैं, तो वहीं अरुण गोविल पीएम मोदी की भूमिका में खूब जंच रहे हैं. वहीं सिर्फ भारत नहीं, बल्कि दुनिया भर से यामी की इस फिल्म को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है. वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो फिल्म 8 दिनों के अंदर 57.14 करोड़ रुपये की कमाई कर डाली है. वहीं 1 मार्च को किरण राव के डायरेक्शन में बनी फिल्म लापता लेडीज रिलीज हुई लेकिन यामी गौतम की फिल्म आर्टिकल 370 पर इसका कोई असर देखने को नहीं मिला. उम्मीद की जा रही थी कि फिल्म को अच्छी ओपनिंग मिलेगी. लापता लेडीज की शुरुआत ठीक रही. फिल्म अपने ओपनिंग डे 75 लाख रुपये ही कमा पाई है.

रोहित शेट्टी के शो से वापसी कर रही हैं सनाया ईरानी ?

एक बार फिर रोहित शेट्टी अपना शो खतरों के खिलाड़ी का 14वां सीजन लेकर आ रहे हैं। इसके लिए कंटेस्टेंट की तलाश भी शुरू हो गई है। इस शो में कई बड़ी हस्तियां शामिल होंगी। इस स्टंट बेस्ट शो का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस सीजन में बहुत कुछ नया हो सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शो की लोकेशन भी बदल सकती है।

बता दें कि इस शो की शूटिंग कई सालों से केपटाउन में होती रही है लेकिन इस बार ये शो कथित तौर पर थाईलैंड या जॉर्जिया में होगा। हालांकि, अभी तक कुछ भी पुष्टि नहीं हुई है। मेकर्स इस बार एक से बढ?र एक स्टंट करने का प्लान बना रहे हैं और इसलिए उन्हें एक ऐसी जगह की चाहिए है जो स्टंट के लिए सेफ हो सके।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, खतरों के खिलाड़ी 14 की कास्टिंग भी शुरू हो गई है और रिपोर्ट के मुताबिक, सनाया ईरानी को रोहित शेट्टी के शो का हिस्सा बनने के लिए अप्रोच किया गया है। ये भी कहा जा रहा है कि सनाया को पिछले सीजन में भी शो ऑफर किया गया था और उन्होंने इसके लिए हामी भी भर दी थी। लेकिन, आखिरी मिनट में चीजें बदल गईं।

अब, उन्हें फिर से शो ऑफर किया गया है और ऐसा लगता है कि इस बार चीजें ठीक हो जाएंगी। सनाया के अलावा और भी कई स्टार्स को शो के लिए अप्रोच किया गया है। ये रिश्ता क्या कहलाता है स्टार हर्षद चोपड़ा को शो के लिए अप्रोच किया गया है।

इसके अलावा झलक दिखला जा 11 के स्टार्स शोएब इब्राहिम, अद्रिजा सिन्हा, संगीता फोगाट, विवेक दहिया और मनीषा रानी को कथित तौर पर ऑफर मिला है। बिग बॉस 17 से अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, अभिषेक कुमार, मुनव्वर फारुकी, ईशा मालविया, समर्थ जुरेल, मन्नारा चोपड़ा, नील भट्ट को भी खतरों के खिलाड़ी 14 का ऑफर दिया गया है।

बिग बॉस ओटीटी 2 में नजर आईं जिया शंकर और आकांक्षा पुरी को भी स्टंट आधारित रियलिटी शो के लिए अप्रोच किया गया है। लेकिन उनमें से किसी ने भी इस खबर की पुष्टि नहीं की है।

आर्टिकल 370 का नया गाना इश्क तेरा जारी, संजीत हेगड़े और शाश्वत सचदेव ने दी आवाज

यामी गौतम, प्रियामणि, अरुण गोविल और किरण करमरकर जैसे सितारों से सजी फिल्म आर्टिकल 370 शुरुआत से बॉक्स ऑफिस कब्जा किए बैठी है। बॉक्स ऑफिस पर आर्टिकल 370 की सफलता के बीच अब निर्माताओं ने फिल्म का नया गाना इश्क तेरा जारी कर दिया है, जिसे संजीत हेगड़े और शाश्वत सचदेव ने मिलकर गाया है। जियो स्टूडियो ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर इश्क तेरा गाना साझा करते हुए लिखा, इश्क जो हुआ तुझसे तो लगा यहीं है, तेरा नाम सच है, बस तू ही सही है।इस गाने के बोल ओशो जैन ने लिखे हैं।आर्टिकल 370 के निर्देशन की कमान आदित्य सुहास जंभाले ने संभाली है तो

वहीं फिल्म का निर्माण यामी के पति और निर्देशन आदित्य धर ने किया है।स्कंद ठाकुर और वैभव तत्ववादी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। आर्टिकल 370' के कलेक्शन की बात करें तो 5.9 करोड़ से खाता खोलने वाली इस फिल्म ने पहले हफ्ते में 35.6 करोड़ का कलेक्शन किया. ज़वहीं अब ये रिलीज के दूसरे हफ्ते में हैं. जहां सेकंड फ्राइडे को 'आर्टिकल 370' ने 3 करोड़ कमाए थे तो वहीं दूसरे शनिवार इसकी कमाई में 83.33 फीसदी का उछाल आया और इसने 5.5 करोड़ की कमाई की. वहीं 10वें दिन 6.35 करोड़ का कलेक्शन किया है.ज़इसी के साथ 'आर्टिकल 370' के 10 दिनों की कुल कमाई 50.45 करोड़ रुपये हो गई है. दुनियाभर में 64.34 करोड़ का कारोबार कर लिया है.

अनुपम खेर की विजय 69 ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर देगी दस्तक

अनुपम खेर अपनी अगली फिल्म विजय 69 से लंबे समय से चर्चा में हैं। इस फिल्म का एलान मई 2023 में किया था। वहीं, नवंबर 2023 में एक्टर ने फिल्म की शूटिंग पूरी की थी। विजय 69 की शूटिंग पूरी करने के बाद एक्टर ने फैंस को बताया था कि उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म विजय 69 की शूटिंग खत्म कर दी है। इसके बाद से अनुपम खेर के फैंस उनकी लीग से हटकर इस फिल्म की रिलीज का इंतजार है। अब अनुपम ने बता दिया है उनकी फिल्म जल्द रिलीज होने जा रही है।

एक्टर अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इस पोस्ट में उन्होंने फिल्म से नया पोस्टर भी शेयर किया है। इस पोस्टर को शेयर कर एक्टर ने लिखा है, अनाउंसमेंट, विजय रास्ते में आने वाली सभी कठिनाईयों को दूर कर रेस जीतने की कोशिश में है, विजय 69 जल्द नेटफ्लिक्स पर आ रही है, जय हो।

बता दें, इस फिल्म को यशराज बैनर ने बनाया है। इस फिल्म का निर्देशन अक्षय रॉय ने किया है और मनीष शर्मा इस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। फिल्म का एलान कर एक्टर ने कैप्शन में लिखा था, एक और फन फिल्म आ रही है, स्पेशल राइड, यशराज एंटरटेनमेंट को अपनी तीसरी फिल्म विजय 69 का एलान कर बहुत खुशी हो रही है, यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी, यह फिल्म उस बूढ़े आदमी पर बेस्ड है, जो 69 साल की उम्र में ट्रायथलॉन प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का फैसला करता है।

बता दें, ट्रायथलॉन एक ऐसा खेल है, जिसमें तैराकी, सडक साइकिलिंग और डिसटेंस रनिंग को एक ही क्रम में पेश किया जाता है। अब अनुपम खेर के फैंस के लिए यह फिल्म किसी ट्रीट से कम नहीं हैं।

दलबदल के लिए दोषी कौन

अजीत द्विवेदी

राज्यसभा चुनाव में हुई क्रॉस वोटिंग के बाद इस बात पर बहस छिड़ी है कि दलबदल के लिए असली दोषी कौन है? भाजपा के नेता और उनके समर्थक कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राजद आदि पर ही ठीकरा फोड़ रहे हैं और कह रहे हैं कि जो पार्टी अपने विधायकों को नहीं संभाल पाई वह भाजपा से क्या लड़ेगी?

हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का मजाक बनाया जा रहा है कि मुख्यमंत्री रहते उनको पता ही नहीं चला कि उनके विधायक साथ छोड़ कर जा रहे हैं। दूसरी ओर भाजपा विरोधी पार्टियों के नेता और सोशल मीडिया का उनका इकोसिस्टम भाजपा को दोषी बता रहा है। उनका कहना है कि भाजपा ने अपनी ताकत का इस्तेमाल करके 'डाका डाला' है तो इसमें कांग्रेस या सुक्खू या अखिलेश यादव की क्या गलती है?

इस बहस में एक दिलचस्प बात यह है कि जो लोग दलबदल के लिए भाजपा की खूब आलोचना कर रहे हैं वे ही लोग कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की तारीफ कर रहे हैं कि उन्होंने अपने विधायकों को एकजुट रखा और भाजपा के एक विधायक से क्रॉस वोटिंग करा दी साथ ही एक दूसरे विधायक को गैरहाजिर करा दिया।

बहरहाल, दोनों तरफ से दिए जा रहे तर्कों में मेरिट है और इसलिए बहस चल रही है। वैसे भी देश की राजनीति और साथ साथ समाज जिस तरह से वैचारिक आधार पर विभाजित हुआ है उसमें यह हैरानी वाली बात नहीं है। विभाजन ऐसा हो गया है कि एक पक्ष केंद्र सरकार और भाजपा की हर बात और हर कदम को सही ठहराता है तो दूसरा पक्ष विपक्ष की हर बात का समर्थन करता है। इसके बीच में या आसपास देखने की जरुरत ही नहीं समझी जाती है।

हकीकत यह है कि इन दोनों तर्कों के बीच एक बड़ा क्षेत्र ऐसा है, जिसे समझने की जरुरत है। एक पक्ष यह मानता है कि 'मोहब्बत और जंग में सब जायज है' की तर्ज पर भाजपा ने ताकत का इस्तेमाल करके दूसरी पार्टी के विधायकों को तोड़ लिया तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है तो दूसरा पक्ष यह है कि भाजपा ने डाका डाला और लोकतंत्र की हत्या की है। लेकिन इन दोनों के बीच वे लोग भी तो हैं, जो पाला बदलते हैं।

उनके बारे में कोई बात नहीं कर रहा है। वो कैसे लोग हैं, जिन्होंने किसी लालच में या दबाव में पाला बदला? यह सवाल तो उठता ही है कि अगर भाजपा किसी को अपनी ओर मिलाना चाहती है तो क्या वह जबरदस्ती कर रही है या मिलने वाले की भी मर्जी हो रही है? यह भी सवाल है कि अगर कोई विधायक या सांसद किसी पार्टी को छोड़ कर जाने का मन बना ले और पार्टी के नेता या मुख्यमंत्री को इसकी जानकारी भी हो जाए तो वह किस तरह से उसे रोक सकता है? जाने वाले को कौन रोक सकता है!

असल में राजनीति के व्यक्ति केंद्रित होते जाने और सत्ता को अंतिम लक्ष्य या साध्य मानने की सोच ने भारतीय राजनीति को बहुत ज्यादा दूषित कर दिया है। हां, यह जरूर कह सकते हैं कि इसका प्रदूषण बढ़ाने में या इसे मौजूदा शक्ल देने में भाजपा ने बड़ी भूमिका निभाई है। उसने लालच के साथ साथ भय का एक भी तत्व इसमें जोड़ दिया है। हालांकि ऐसा नहीं है कि पहले दलबदल नहीं होते थे या पहले राज्यसभा के चुनावों में विधायक क्रॉस वोटिंग नहीं करते थे। आजादी के बाद हर समय ऐसा होता रहा है। लेकिन लंबे समय तक दलबदल वैचारिक आधार पर होता था। दलगत आधार पर भी दलबदल हुए लेकिन उसमें भी कहीं न कहीं विचारधारा का हाथ रहा।

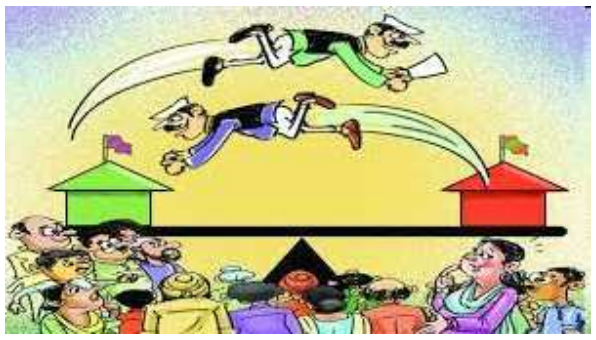

एक ही विचारधारा की कई पार्टियां थीं, जिसके नेता इधर से उधर आते जाते थे। लेकिन अब दलबदल विशुद्ध रूप से निजी स्वार्थ से संचालित हो रहा है। अब विचारधारा का कोई मतलब नहीं है। कह सकते हैं कि पहले विचारधारा की गोंद नेताओं को बांधे रहती थी, लेकिन अब सत्ता एकमात्र गोंद है, जिससे नेता बंधे हुए हैं। इसलिए सिर्फ भाजपा को दोष देने से काम नहीं चलेगा। भाजपा खरीदार की तरह मंडी में बैठी है और नेता बिकने के लिए आ रहे हैं। सोचें, देश में पशुओं का मेला लगता है, जिसमें पशुओं के मालिक उन्हें बेचने के लिए ले जाते हैं लेकिन इंसान तो खुद ही जा रहे हैं बिकने के लिए!

गुजरात में नाराण भाई राठवा अपने बेटे संग्राम राठवा के साथ कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में चले गए। सोचें, जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी तब उनको रेल मंत्री बनाया गया था। बाद में कांग्रेस ने उनको राज्यसभा में भेजा। उनका राज्यसभा का कार्यकाल तीन अप्रैल 2024 को समाप्त हो रहा है। उससे एक महीना तीन दिन पहले उनको लगा कि अब कांग्रेस राज्यसभा या कुछ और पद देने की स्थिति में नहीं है तो उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी और भाजपा में चले गए। इसका कांग्रेस नेतृत्व की कमजोरी से कोई लेना-देना नहीं है और न इसके लिए भाजपा की आलोचना करने की जरुरत है। यह विशुद्ध रूप से उस व्यक्ति के निजी स्वार्थ का मामला है।

इसी तरह हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने वीरभद्र सिंह को छह बार मुख्यमंत्री बनाया। जब राज्य में कांग्रेस की सरकार नहीं होती थी तो उनको केंद्र में मंत्री बनाया जाता था। अब भी उनकी पत्नी प्रतिभा सिंह प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष हैं और बेटे विक्रमादित्य सिंह राज्य सरकार में मंत्री हैं। लेकिन वे आज अगर कांग्रेस को नुकसान पहुंचा रहे हैं तो उसमें कांग्रेस या सुखविंदर सिंह सुक्खू की कमी नहीं है। जब नेता अपना दीन ईमान छोड़ दे और सत्ता या धन के लिए कुछ भी करने को तैयार हो जाए तो फिर उसमें कोई भी पार्टी क्या कर सकती है?

राजनीति में नैतिक मूल्यों के निरंतर ह्रास को समझने की जरुरत है। यह भी समझने की जरुरत है कि अगर राजनीति समाज का आईना है तो समाज की क्या स्थिति हो गई है? इसको ठीक किए बगैर यह उम्मीद नहीं की जा सकती है कि राजनीति स्वच्छ हो जाएगी। इसमें एक पहलू दलबदल कानून और उसके अमल का भी है। जिस तरह से कानूनी मामलों में कहा जाता है कि न्याय प्रक्रिया ऐसी है कि अपराधियों को सजा नहीं होती है और उनका हौसला बढ़ जाता है। उसी तरह दलबदल के मामले में भी है। दलबदल करने वाले विधायकों या सांसदों पर महीनों, बरसों तक कोई कार्रवाई नहीं होती है। स्पीकर मामले को लटका कर रखते हैं और सदस्यों का कार्यकाल खत्म हो जाता है।

झारखंड में बाबूलाल मरांडी, प्रदीप यादव और बंधु तिर्की का मामला चार साल से लंबित है। बंधु तिर्की काफी पहले विधायक से हट भी गए और उनकी जगह उनकी बेटी विधायक बन गई। लेकिन स्पीकर का फैसला नहीं आया। महाराष्ट्र में भी सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद स्पीकर का फैसला आया।

सोचें, ऐसे में कोई विधायक या सांसद दलबदल करने से घबराएगा? राजनीति में नैतिक मूल्यों की बहाली तो होते होते होगी लेकिन उससे पहले यह कानून बनना चाहिए कि अगर किसी पार्टी का विधायक या सांसद इस्तीफा देता है तो वह अनिवार्य रुप से विधानसभा या लोकसभा से इस्तीफा देगा और उसके फिर से चुनाव लडने पर एक निश्चित समय तक रोक रहेगी। इस तरह का कोई प्रभावी उपाय करना होगा।

सू- दोकू क्र. 97

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.96 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

भारत के धनवान

भारत ना सिर्फ सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश बना रहेगा, बल्कि सबसे तेजी से अति धनी लोगों की संख्या भी यहीं बढ़ेगी। दरअसल, इन दोनों ही परिघटनाओं में गहरा संबंध है। यह बात रिपोर्ट तैयार करने वाले अध्ययनकर्ताओं ने भी कही है।

एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक भारत में अति धनी व्यक्तियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। अगले चार साल में इस तादाद में और भी ज्यादा तेज रफ्तार से बढ़ोतरी होगी। बड़ी तस्वीर तो यह है कि यह वृद्धि दुनिया में सबसे तेज दर से होगी। इस तरह भारत दुनिया में अति धनवान व्यक्तियों की संख्या में सबसे तेज वृद्धि दर दर्ज करने वाला देश बन जाएगा। भारत से जो देश पीछे छूट जाएंगे, उनमें चीन भी शामिल है। भारत में यह दर 5०.1 प्रतिशत रहेगी, जबकि चीन में 47 फीसदी।

स्पष्टत: भारत ना सिर्फ सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश बना रहेगा, बल्कि सबसे तेजी से अति धनी लोगों की संख्या भी यहीं बढ़ेगी। दरअसल, इन दोनों ही परिघटनाओं में गहरा संबंध है। यह बात नाइट फ्रैंक संस्था के अध्ययनकर्ताओं ने भी कही है, जिनकी ताजा रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत के अति धनवान लोगों के शौक क्या हैं। रिपोर्ट में अति धनवान उन लोगों को माना गया है, जिनके पास तीन करोड़ डॉलर- यानी लगभग सवा दो सौ करोड़ रुपये- से अधिक की संपत्ति

है।

अब यह देखना दिलचस्प है कि इन लोगों की पसंद क्या है। बताया गया है कि पिछले वर्ष लग्जरी घडि?ों, कलाकृतियों और जेवरात पर इन लोगों के खर्च में क्रमश: 138, 1०5 और 37 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यानी संकेत यह है कि ये लोग किसी उत्पादक कार्य में धन लगाने के बजाय विलासिता पर अधिक खर्च कर रहे हैं।

तो अनुमान लगाया जा सकता है कि इनकी आमदनी का प्रमुख स्रोत शेयर-बॉन्ड-ऋण बाजार-वायदा कारोबार आदि यानी वित्तीय संपत्तियों में निवेश है। यह एक चक्र है। इनके निवेश से ये बाजार चमकते हैं और फिर उससे इन लोगों को होने वाले लाभ में बढ़ोतरी होती है। ये सारी बढ़ोतरी देश के जीडीपी में भी गिनी जाती है। तो कहा जा सकता है कि आम अर्थव्यवस्था के समानांतर जो एक वित्तीय अर्थव्यवस्था खड़ी हुई है, देश के धनी-मानी लोग उसका आधार हैं और उससे लाभान्वित भी। जबकि देश की बहुंसख्यक आबादी इस सारी चमक से बाहर बनी हुई है। यही आज के भारत की हकीकत है। (आरएनएस)

मिस्ट्री थ्रिलर मर्डर मुबारक की रिलीज डेट आउट

मर्डर मुबारक ओटीटी रिलीज के लिए तैयार है। इस मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म में मल्टी स्टार्स है। रिलीज से पहले मेकर्स ने दर्शकों का एक्साइटिंग लेवल हाई करने के लिए सभी कलाकारों के नए पोस्टर का अनावरण किया है। मर्डर मिस्ट्री में सारा अली खान, करिश्मा कपूर, विजय वर्मा, पंकज त्रिपाठी, डिंपल कपाडिया, संजय कपूर और अन्य भी हैं। नेटफ्लिक्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर सभी स्टार्स के नए पोस्टर के साथ ओटीटी रिलीज की घोषणा की है। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, दिल्ली की पॉश गलियों में हुआ है कत्ल, और ये है हमारे 7 अरोपी। कौन है असली कातिल? मर्डर मुबारक 15 मार्च को आएगा, केवल नेटफ्लिक्स पर। इस फिल्म को होमी अदजानिया ने डायरेक्ट और मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित किया है।

मर्डर मुबारक के कास्ट के बारे में बात करें तो इस मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म में सारा अली खान, करिश्मा कपूर, डिंपल कपाडिया, विजय वर्मा, संजय कपूर, टिस्का चोपड़ा और सुहैल नैय्यर जैसे कई स्टार्स अहम भूमिका में नजर आएंगे। पंकज त्रिपाठी एक नॉन ट्रेडिशनल कॉप वाले की भूमिका निभा रहे हैं। वह एक आउटसाइडर के तौर पर उनकी दुनिया में एंट्री करते हैं और वहां देखते हैं कि वहां जो दिखता है उससे कहीं अधिक है। रहस्यों से भरपूर यह फिल्म 15 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर लोगों को एंटरटेन करने के लिए तैयार है।

आशा कार्यकत्रियों ने किया सचिवालय कूच

संवाददाता

देहरादून। 20 दिन की मोबिलिटी 30 दिन किये जाने सहित विभिन्न मांगों को लेकर आशा कार्यकत्रियों ने हुंकार भरी और सचिवालय कूच किया। जहां से उन्होंने जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां आशा एंव आशा फैसिलिटेटरो की महारैली श्रीमती रेनू नेगी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय आशा कर्मचारी महासंघ व महामंत्री आशा फैसिलिटेटर एवं कार्यकर्ता संगठन उत्तराखण्ड राज्य एवं आशा कार्यकत्री संगठन की प्रदेश महामंत्री श्रीमती ललितेस विश्वकर्मा की अध्यक्षता में परेड ग्राउंड में आशा कार्यकत्रियां एकत्रित हुई जहां से उन्होंने सचिवालय कूच किया। जब वह सचिवालय के करीब पहुंचे तो उनको बैरकेडिंग लगाकर रोक दिया गया। जिसके बाद वह वहीं पर धरने पर बैठ गयी। जिसके बाद उन्होंने जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

उन्होंने मांग की है कि 20 दिन की मोबिलिटी 30 दिन किया जाना चाहिए, आशा एवं आशा फैसिलिटेटरों को पल्स पोलियो डयूटी का 100 रूपया प्रतिदिन से बढाकर 600 रूपया प्रतिदिन किया जाये साथ ही पीएलए एवं वीएचएसएनसी बैठक मानदेय 100 रूपये प्रति बैठक के साथ पर 800 रूपया किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आशाओं को प्रतिमाह न्यूनतम मानदेय 18 हजार किया जाना चाहिए, आशा फैसिलिटेटरों का न्यूनतम मानदेय 24 हजार किया जाना चाहिए, आशा एवं आशा फैसिलिटेटरों की प्रोत्साहन धनराशि को अतिशीघ्र संशोधित करते हुए बढोत्तरी किया जाना चाहिए।

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने फूंका सांसद हेगडे का पुतला

संवाददाता

देहरादून। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने डीएवी कालेज गेट पर प्रदर्शन कर बीजेपी सांसद अनंत कुमार हेगडे का पुतला फूंका।

आज यहां प्रदेश अध्यक्ष विकास नेगी के आदेश अनुसार अनंत सैनी प्रदेश महासचिव एनएसयूआई के नेतृत्व में एनएसयूआई कार्यकर्ता डीएवी महाविद्यालय के गेट पर एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर बीजेपी संसद अनंत कुमार हेगड़े का पुतला दहन किया। इस मौके पर पुनीत राज सिंह इकाई अध्यक्ष डीएवी, हरिश जोशी, प्रांचाल नौनी, सुबोध सेमवाल, मुकेश बसेड़, भुवन पांडेय, विवेक ,हिमांशु घाघट, अमित, सुधांशु, महेश शाह, जय बरथवाल, मानव एवम एनएसयूआई कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

कल तक जानकारी नहीं दी तो अवमानना..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

अब और समय आपको नहीं दिया जा सकता है। कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को 15 मार्च शाम तक इलेक्टोरल बांड की पूरी जानकारी सार्वजनिक करने के निर्देश दिए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस सख्त रवैये व फैसले के बाद एसबीआई जो इस मामले को टालना चाहता था अब कोई विकल्प शेष नहीं बचा है। जैसा कि सर्वविदित है यह एसबीआई को नहीं देश की केंद्र सरकार को एक बड़ा झटका है। कोर्ट के इस फैसले से यह अब सबको पता चल सकेगा कि किसने कब-कब किस पार्टी को कितना चंदा दिया और क्यों दिया?

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के चयनित..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित करके, खिलाड़ियों का मनोबल निरन्तर बढ़ा रही है। उन्होंने आउट ऑफ टर्न नियुक्त प्रक्रिया का जिक्र करते हुये कहा कि यह प्रक्रिया सभी अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए संजीवनी का कार्य करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने प्रयाग पोर्टल और युवा उत्तराखंड एप लांच किया है, जिसमें युवा रोजगार के साथ ही स्वरोजगार के लिए रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। कार्यक्रम को कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी तथा श्रीमती रेखा आर्य ने भी सम्बोधित करते हुये, सरकार की उपलब्धियों पर विस्तृत प्रकाश डाला तथा चयनित अभ्यर्थियों को बधाई व शुभकामनायें दी। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, डी.जी.पी. अभिनव कुमार, सचिव परिवहन अरविन्द सिंह ह्यांकी, महानिदेशक कृषि व उद्यान डॉ. रणवीर सिंह चौहान, ए.डी.जी. अमित सिन्हा, अपर निदेशक उद्यान डॉ. आरके सिंह, वन विभाग के अधिकारीगण सहित संबंधित पदाधिकारी एवं अधि कारी उपस्थित थे।

पहाड़ की महिलाएं प्रदेश की रीढ़ हैंः रतूडी

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव राधा रतूडी ने कहा कि पहाड की महिला प्रदेश की रीढ हैं।

आज यहां मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा है कि पहाड़ की महिला प्रदेश की रीढ़ है, लेकिन उनकी मेहनत और कार्य को अब तक आर्थिक तौर अभी मजबूत नहीं किया जा सका है। उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण महिलाओं के सशक्तीकरण पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि हर दिन महिला का है और प्रदेश और देश के विकास में हर गृहणी का भी उतना ही योगदान है, जितना किसी कामकाजी महिला का। उन्होंने अपील की कि गृहणी के तौर पर कार्यरत महिला को उनके कार्य का सम्मान दिया जाना चाहिए। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी बीएस नेगी महिला प्रावधिक प्रशिक्षण संस्थान में छात्राओं द्वारा महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित फैशन शो अभिव्यक्ति में बतौर मुख्य अतिथि भाग ले रही थीं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पहाड़ के गांवों में महिलाएं ही बसी हैं और वहां के विकास की धुरी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को सशक्त करने की जरूरत है। हमें उनके श्रम को आर्थिक मजबूती देनी होगी। उन्होंने संस्थान के अध्यक्ष हर्षमणि व्यास और प्रिंसिपल नमिता ममगाईं के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पालीटेक्निक देहरादून का स्तम्भ बन गया है। प्रिंसिपल नमिता ममगाईं ने संस्थान की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह संस्थान पहाड़ की बेटियों को सशक्त और स्किल्ड बना रहा है। यहां से पासआउट छात्राएं देश के विभिन्न प्रतिष्ठानों में अच्छे पदों पर काम कर रही हैं और कई ने स्वरोजगार अपना लिया है। संस्थान की संस्थापक संरक्षण शोभना वाही ने छात्रा स्वास्तिक काम्बोज को शोभना वाही एक्सीलेंस अवार्ड दिया। इसके तहत ट्राफी और पांच हजार नकद दिये गये। इस मौके पर संस्थान में फैशन डिजानिंग कोर्स की छात्राओं ने शानदार रैप वॉक किया। फैशन डिजाइनिंग में बेस्ट मॉडल का खिताब सुरभि थापा ने जीता। इसके अलावा शिवानी बिष्ट फर्स्ट रनरअप और तनुजा सेकेंड रनरअप रही। कार्यक्रम में एल्यूमुनाए मीट राब्ता का भी आयोजन किया गया। फैशन शो की जज सुरभि सप्रा, बानीबत्ता एवं शुभा मुतनेजा थीं। इस मौके पर दून विश्वविद्यालय की कुलपति डा. सुरेखा डंगवाल, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल, डा. अलकनंदा अशोक, आईजी विम्मी सचदेवा, आईएफएस मीनाक्षी जोशी, पूर्व आईआरएस जेपी ममगाईं, भुवनेश्वरी नैथानी, रंजना रावत आदि प्रमुख लोग मौजूद थे।

शहरी विकास मंत्री ने किया स्मार्ट सिटी के कार्यो का निरीक्षण

हमारे संवाददाता

देहरादून। शहरी विकास मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने आज स्मार्ट सिटी के कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ करने व समय के भीतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यहां निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद लोगों को सुविधा होगी और जाम की समस्या से भी निजात मिलेगी।

मंत्री डॉ अग्रवाल ने आज यमुना कॉलोनी के समीप सड़क चौड़ीकरण के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि यहां साढ़े सात मीटर सड़क को पांच मीटर बढ़ाकर साढ़े 12 मीटर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यहां फुटपाथ का भी निर्माण कार्य किया जा रहा है, जो करीब 350 मीटर लंबा है। डॉ अग्रवाल

ने बताया कि स्मार्ट सिटी के कार्यों को पूर्ण करने के लिए एक साल का अतिरिक्त समय दिया गया है, जो जून 2024 में पूर्ण होगा। उन्होंने बताया कि यमुना कॉलोनी के समीप डिवाइडर पर भी कार्य गतिमान है, कहा कि 31 मार्च तक यह काम पूर्ण कर लिया जाएगा।

डॉ अग्रवाल ने स्मार्ट सिटी के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्यों को तय समय के अंदर व गुणवत्ता के साथ करें। उन्होंने कहा कि सड़क चौड़ीकरण के कार्यों के बाद लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। साथ ही जाम की समस्या से भी जूझना नहीं पड़ेगा। इसके अलावा डिवाइडर पर कार्यों के बाद इसके सौंदर्य करण में चार चांद लगेंगे।

इस मौके पर अपर मुख्यकार्यकारी अधिकारी , स्मार्ट सिटी तीरथपाल सिंह, अधीक्षण अभियंता ,स्मार्ट सिटी जगमोहन सिंह चौहान, परियोजना प्रबंधक पीआईयू-पीडब्ल्यूडी-स्मार्ट सिटी प्रवीण कुश, अधिशासी अभियंता स्मार्ट सिटी मदन मोहन सिंह पुंडीर, उप महाप्रबंधक अधिप्राप्ति स्मार्ट सिटी गिरीश पुंडीर, उप महाप्रबंधक वॉटरवर्क्स स्मार्ट सिटी कृष्णा चमोला आदि उपस्थित रहे।

पूर्व सीएम ने किया व्यापारियों से संवाद

हमारे संवाददाता

रुद्रपुर। पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने आज नगर निगम सभागार पहुंच कर व्यापारी संवाद कार्यक्रम के तहत व्यापारियों की समस्याओं को सुना गया। उन्होंने आश्वस्त किया कि व्यापारियों की जो भी समस्याएं हैं उसका भाजपा सरकार प्राथमिकता से निदान करेगी, क्योंकि भाजपा सरकार व्यापारियों की समस्याओं को लेकर बेहद संवेदनशील है और व्यापारी वर्ग का किसी भी प्रकार से अहित नहीं होने दिया जाएगा।

नगर निगम सभागार में पूर्व मुख्यमंत्री निशंक, क्षेत्रीय विधायक शिव अरोड़ा तथा जिला अध्यक्ष कमल जिंदल का व्यापारियों ने जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर विधायक शिव अरोड़ा ने कहा कि लोकसभा चुनाव होने वाला है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार आगे बढ़ रहा है और इस बार 400 पार का नारा सार्थक होगा। उन्होंने कहा कि देश के लोग भाजपा से क्या अपेक्षा रखते हैं यह संवाद के माध्यम से ही पता चलेगा। उन्होंने कहा कि देश की जनता इस संवाद के माध्यम से अपने जो भी विचार रखेगी उसे भाजपा अपने घोषणा पत्र में शामिल करेगी। व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा ने कहा कि प्रत्येक व्यापारी जीएसटी अदा करता है और सरकार दुर्घटना बीमा पॉलिसी चलाती है उन्होंने कहा कि सरकार इस बात का इंतजार करती है कि जब संबंधित व्यापारी दुर्घटना का शिकार होगा तभी बीमा उसे मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस योजना को सिर्फ बीमा किया जाए और इसका लाभ व्यापारियों को समय रहते दिया जाए ताकि उसके परिवार का भरण पोषण हो सके। उन्होंने व्यापारियों की पीड़ा जाहिर करते हुए कहा कि विभिन्न विभाग के अधिकारी व्यापारियों के हर काम में दखलअंदाजी करते हैं और उन्हें दुधारू गाय समझते हैं। ऐसे में व्यापारी स्वतंत्र होकर अपने कार्य नहीं कर पाता। उन्होंने कहा की अच्छा व्यापार चलाने के लिए एक स्वस्थ माहौल की आवश्यकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा व्यापारियों पर तरह-तरह के कर लाद दिए जाते हैं जिससे व्यापारी अपने आप को ठंगा महसूस समझता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के संवाद जिला व नगर स्तर पर समय-समय पर होना चाहिए ताकि शासन प्रशासन तक व्यापारियों की बात पहुंच सके। इस मौके पर अन्य व्यापारियों ने भी अपनी बात रखी। व्यापारी संवाद कार्यक्रम के तहत नरेश ग्रोवर, सुनील ठुकराल, मनोज छाबड़ा, सुशील गाबा, संदीप राव, विकास शर्मा ,भारत भूषण चुघ, अमित नारंग, नरेंद्र अरोड़ा ,किरण वर्क, घनश्याम अग्रवाल ,वेद ठुकराल ,सुरेंद्र मिड्ढा पंकज गाबा, मोहित चड्ढा, मनोज मदान, नितेश कुमार सहित तमाम व्यापारी मौजूद थे।

एक नजर

जंग के बीच रूस में फंसे नेपाली नागरिकों ने भारत से मांगी मदद

नई दिल्ली। रूस में फंसे नेपाली लोगों ने भारत सरकार से उन्हें बचाने की अपील की है। क्योंकि नेपाली सरकार से उन्हें कोई मदद नहीं मिल पा रही है। उनके साथ ट्रैवल एजेंटों ने धोखाधड़ी की, जिन्होंने उन्हें रूसी सेना में सहायक की नौकरी के बहाने रूस भेजा। लोगों ने कहा कि एजेंट ने हमें झूठ बोलकर यहां भेजा है। हमें कहा गया था कि हमें रशियन आर्मी में हेल्पर का काम करना है, लेकिन हमें अब यहां युद्ध में जाना पड़ रहा है। हमारे साथ यहां भारत के भी कई नागरिक थे, जिन्हें भारत सरकार ने निकाल लिया लेकिन हमारी नेपाल के दूतावास में हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। नेपाल हमारी कोई मदद नहीं कर रहा है। हम अपने पड़ोसी देश इंडिया से मदद मांगना चाहते हैं। हमें बहुत उम्मीद है कि

भारत हमारी मदद करेगा और हमें निराश नहीं करेगा। नेपाल और इंडिया का बहुत मजबूत संबंध है इसलिए हम आप लोगों से मदद मांगना चाहते हैं। नेपाली लोगों ने कहा कि हमारे नेपाल से कुछ भी नहीं हो रहा है लेकिन आपका देश और आपका दूतावास बहुत पावरफुल है। हम सभी नेपाली भाई लोग वापस जाना चाहते हैं क्योंकि हमारे साथ यहां फ्रॉड हुआ है। हम लोग 30 लोग थे, लेकिन अब हम सिर्फ पांच लोग बाकीहैं। कुछ लोगों को अलग-अलग जगह पर भेजा गया है तो कुछ लोगों को ज्यादा इंजरी हुई है। हमारी मदद कीजिए और हमें भी यहां से निकालिए।

ऋषभ पंत के आईपीएल-2024 में खेलने पर सस्पेंस !

मुंबई। स्टार बल्लेबाज ऋषभ पंत की वापसी को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। कार एक्सीडेंट के बाद से वह लगभग 15 महीनों से एक्शन से बाहर हैं। लेकिन, आईपीएल 2024 से वह मैदान पर लौटने वाले हैं। मगर, अब रिपोर्ट्स के हवाले से जो खबर सामने आ रही है वह दिल्ली कैपिटल्स और पंत के फैंस का दिल तोड़ सकती है। बताया जा रहा है कि पंत को नेशनल क्रिकेट एकेडमी की तरफ से फिटनेस क्लियरेंस नहीं मिल सकी है। हालांकि, इस खबर की अब तक डीसी की ओर से पुष्टि नहीं हुई है। सूत्रों के हवाले से खबर सामने आ रही है कि बीसीसीआई से अब तक ऋषभ पंत को फिटनेस टेस्ट पास होने का सर्टिफिकेट नहीं मिल पाया है, जिसके चलते उनके आईपीएल 2024 में खेलने पर खतरा मंडराने लगा है। सूत्रों ने ये भी बताया है कि जब इस बारे में दिल्ली कैपिटल्स से पूछा गया, तो फ्रेंचाइजी ने ना तो इस खबर का खंडन किया और ना ही कोई अपडेट दी। ऐसे में अब वक्त के साथ ही पता चलेगा कि पंत मैदान पर कब वापसी करेंगे? 30 दिसंबर 2021 में ऋषभ पंत एक भीषण कार हादसे की चपेट में आ गए थे। इस हादसे में उन्हें काफी इंजरी हुई और पंत खुद मानते हैं कि ये उनका अब दूसरा जन्म है।

बिना कपड़ों के ही ऑस्कर के स्टेज पर पहुंचे जॉन सीना

नई दिल्ली। ऑस्कर 2024 में रेस्लर और हॉलीवुड एक्टर जॉन सीना ने एक हरकत करके पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। आज अनाउंस अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान उस वक्त अजीब मोड़ आ गया जब रेस्लर और हॉलीवुड एक्टर जॉन सीना बेस्ट कॉस्ट्यूम अवॉर्ड देने के लिए स्टेज पर न्यूड होकर पहुंचे। ये इस समारोह का सबसे बड़ा हाईलाइट रहा। इवेंट से वायरल हुए एक वीडियो में, जिमी किमेल ने सीना को बेस्ट कॉस्ट्यूम कैटेगिरी में अवॉर्ड प्रेजेंट करने के लिए इनवाइस किया था और हिंट भी दिया था कि वह मंच पर बिना कपड़ों के दिखाई देंगे। हालाँकि, सीना बिना कपड़ों के बाहर निकलने में झिझक रहे थे। ऑस्कर 2024 के होस्ट किमेल के समझाने के बाद वे मंच पर पहुंचे। इसके बाद सीना ऑस्कर

2024 के मंच पर बेस्ट कॉस्ट्यूम वाले एक ओवर साइज्ड लिफाफे के साथ खुद को कवर करते हुए स्टेज पर विनर का नाम अनाउंस करने के लिए पहुंच गए। वहीं जॉन सिना को बिना कपड़ो के स्टेज पर देखकर सभी खूब हंसने लगे। इसके बाद सीना को थोड़ी सी हिचक का सामना करना पड़ा - वह लिफाफा नहीं खोल सके। सीना ने कहा, आउटफिट, वे बहुत जरूरी हैं। शायद वहाँ सबसे महत्वपूर्ण चीज है। बाद में सीना को एक पर्दे से कवर किया गया। उनका ये वीडियो अब इंटरनेट पर आग की तरह वायरल हो रहा है।

पीएम मोदी ने उत्तराखंड को दी 1052 करोड़ की बड़ी सौगात

संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखण्ड राज्य के लिए 1052 करोड की लागत से रूद्रपुर बाईपास का वर्चुअल से शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय अन्तर्गत द्वारका एक्सप्रेस समेत निर्माणाधिन एक लाख करोड़ से अधिक की 144 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। जिसमें कि उत्तराखण्ड राज्य के अन्तर्गत 1052 करोड़ लागत से रूद्रपुर बाईपास का शिलान्यास भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल से किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रतिनिधि के तौर पर देहरादून आईआरडीटी ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी वर्चुअल माध्यम से जुड़े। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर काबीना मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उत्तराखंड से विशेष लगाव है। उन्होंने कहा गत दशक में प्रधान मंत्री नरेंद

❑मंत्री गणेश जोशी ने मोदी व गडकरी का जताया आभार

मोदी के कुशल नेतृत्व में उत्तराखंड में कई महत्पूर्ण परियोजनाएं जैसे की चारधाम यात्रा मार्ग, दिल्ली देहरा देहरादून एक्स्प्रेसवे, इंडो नेपाल कनेक्टवीटी प्रोजेक्ट, केदारनाथ और हेमकुंड साहब में रोपवे का उपहार दे कर लास्ट मिल कनेक्टवीटी प्रदान की है। जिससे इस पहाड़ी राज्य के मेहनती लोगों की जिंदगी बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा आज इसी लक्ष्य को आगे बढाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रु.1052 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 21 किलोमीटर रुद्रपुर बाइपास का शिलान्यास कर उत्तराखंड वासियों को बड़ी सौगात दी है। मंत्री गणेश जोशी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार भी प्रकट किया। मंत्री गणेश जोशी ने कहा इस परियोजना से रुद्रपुर शहर में यातायात की भीड़ कम होगी। उत्तराखंड और उत्तरप्रदेश के बीच बेहतर कनेक्टवीटी होगी, जिससे लॉजिस्टिक सेक्टर को बढावा मिलेगा साथ ही औद्योगिक और वाणिज्यिक सेक्टर का विकास होगा। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र महेंद्र भट्ट, विधायक खजान दास, सचिव पंकज पांडे सहित कई लोग उपस्थित रहे।

नाबालिक युवती को भगा ले जाने वालागिरफ्तार, किशोरी बरामद

संवाददाता

देहरादून। नाबालिग को भगा ले जाने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर किशोरी को बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 8 फरवरी एक व्यक्ति ने क्लेमनटाउन थाने में तहरीर दी कि उनकी नाबालिक पुत्री उम्र 17 वर्ष, 07 फरवरी की रात्रि घर से कही चली गई, जो घर वापस नहीं आई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नाबालिक युवती की बरामदगी हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गए निर्देशों के क्रम में थाना क्लेमेंटटाउन पर पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा गुमशुदा के संबंध में सर्विलांस के माध्यम से जानकारी प्राप्त की गई तो नाबालिक युवती को संजू नाम के युवक द्वारा बहला फुसलाकर भगा के ले जाना प्रकाश में आया, जिस पर आरोपी की गिरफ्तारी तथा नाबालिक युवती की बरामदगी हेतु पुलिस टीम को संभावित स्थानों पर रवाना किया गया तथा आज पुलिस ने संजू पुत्र इकपाल निवासी ग्राम दोजा थाना बिनोली जिला बागपत उत्तर प्रदेश को बागपत से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से नाबालिक युवती को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। आरोपी को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

करोड़ो की स्मैक सहित बरेली का तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत एसटीएफ की एएनटीएफ टीम को खासी सफलता हाथ लगी है। एएनटीएफ टीम द्वारा बरेली के एक अंर्तराज्यीय नशा तस्कर को दबोच कर उसके पास से एक किलो से अधिक स्मैक बरामद की गयी है। हालांकि दबिश के दौरान गिरफ्तार तस्कर का हरिद्वार निवासी साथी फरार होने में सफल रहा जिसकी तलाश की जा रही है।

एसटीएफ के अपर पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन सिंह द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि बीते रोज एसटीएफ की ए.एन.टी.एफ टीम (एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) को सूचना मिली कि मंगलौर क्षेत्र में बरेली के कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थो की बड़ी खेप सहित आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एएनटीएफ टीम द्वारा बताये गये स्थान की घेराबंदी कर एक नशा तस्कर मोहम्मद बिन कासिम पुत्र जाफर खान निवासी ग्राम खेलम थाना अलीगंज जनपद बरेली उत्तरप्रदेश को 1 किलो 110 ग्राम स्मैक

सहित गिरफ्तार किया गया। हालांकि दबिश के दौरान मौके से एक अन्य आरोपी सलमान पुत्र जहांगीर निवासी पीरपुरा थाना मंगलौर जनपद हरिद्वार अंधेरे का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहा जिसकी तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपी कासिम द्वारा पूछताछ पर बताया कि वह यह स्मैक बरेली उत्तरप्रदेश से लेकर आया था जिसको वह थाना मंगलौर में फरार आरोपी सलमान को देने आया था, इस पर एसटीएफ द्वारा पूछताछ में अन्य कई ड्रग्स पैडलरो के नाम की जानकारी हुई है, जिन पर कार्यवाही की जायेगी।

महिला ने पति सहित तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया

संवाददाता

देहरादून। महिला ने पति सहित ससुराल के तीन लोगों पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुराना पोस्ट आफिस निवासी रेनू देवी ने प्रेमनगर थाने में अपने पति टिकम सिंह व दो अन्य पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।